बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

वृहस्पतिवार, तिथि १६ मार्च १९६१।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में वृहस्पतिवार, तिथि १६ मार्च १९६१ को पूर्वाह्न ८-३० बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

तारांकित प्रश्न संख्या २३३ के संबंध में।

श्री दारोगा प्रसाद राय—इसके लिए समय चाहिए लेकिन मैं सदन को बता देना चाहता हूं कि अक्सर हमलोग समय लेते हैं जिसमें लोगों को गलतफहमी भी होती है कि समय क्यों लेते हैं। मैं हाउस को कनफिडेन्स में लाना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि इसके लिए जो जिम्मेवार होंगे, उनको सजा होगी। यह सवाल १९ जनवरी, १९६१ को हमारे यहां आया। २५ जनवरी १९६१ को डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, मजफ्फरपुर को जवाब के लिए भेज दिया गया। वहां से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। यह अनरिजनेबुल डिले हुआ है इसके लिए जो उचित होगा, सरकार कार्रवाई करेगी।

तारांकित प्रश्न संख्या ३८४ के संबंध में।

श्री दारोगा प्रसाद राय—अभी तक इसका जवाब तैयार नहीं हो सका है और इसमें अनयुजुअल डीले हुआ है जिसके लिये सरकार संबंधित कर्मचारियों पर ऐक्शन लेगी।

तारांकित प्रश्न संख्या ३९३ के संबंध में।

श्री अब्दुल अहद मुहम्मद नूर—तारांकित प्रश्न संख्या ३९३ : समय चाहिये।

(२) क्या यह बात सही है कि जिलाधीश के आदेश से एक मैजिस्ट्रेट इस बात की जांच करने ता० १ दिसम्बर, १९६० को गये और अविलम्ब रेड-कार्ड (मुफ्त रेशन देने का कार्ड) देने का आश्वासन देकर गये ;

(३) क्या यह बात सही है कि उस विधवा को ता० ७ दिसम्बर, १९६० तक सरकार की ओर से सहायता नहीं मिली और वह ता० ७ दिसम्बर, १९६० को भूख से मर गयी ;

(४) क्या यह बात सही है कि वहां के सिविल सर्जन ने अपनी रिपोर्ट (पोस्ट-मोर्टम) में लिखा है कि उसके पेट में अन्न नहीं थे पर वह टी० बी० की मरीज थी ;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर 'हां' हैं, तो क्या सरकार इसकी पूरी जांच कर उचित कार्रवाई करने का प्रबन्ध करने को सोचती है ?

श्री अब्दुल अहद मुहम्मद नूर—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) प्रथम अंश का उत्तर स्वीकारात्मक है। द्वितीय अंश का उत्तर नकारात्मक है। उक्त वृद्धा मुहताज नहीं पायी गयी, इसलिए रेड कार्ड देने का आश्वासन नहीं दिया गया था।

(३) उक्त वृद्धा की मृत्यु ७ दिसम्बर १९६० को हो गयी लेकिन वह मृत्यु भूख से नहीं वरन यक्ष्मा रोग से बहुत दिनों तक पीड़ित रहने के बाद हुई।

(४) सिविल सर्जन के रिपोर्ट में था कि वृद्धा के दोनों फेफड़े यक्ष्मा रोग से आक्रान्त थे। पोस्टमार्टम के समय वृद्धा के पेट से २ औंस वार्ली-जैसा पदार्थ निकला था।

(५) प्रश्न ही नहीं उठता है।

कर्ज का वितरण।

११५२। श्री देवनन्दन प्रसाद—क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि २ अप्रील १९६० को दरभंगा जिला के बेनीपट्टी थाना के धनहा गांव में आग लगी जिससे ४५० परिवारों की क्षति हुई ;

(२) क्या यह बात सही है कि वर्त्तमान मुख्य मंत्री उस समय बेनीपट्टी अंचल में ही थे ;

(३) क्या यह बात सही है कि वहां के अवर-प्रमंडल पदाधिकारी तथा अंचलाधिकारी की उपस्थिति में ही आग बुताई गयी थी ;

(४) क्या यह बात सही है कि रिलिफ तथा कर्ज के लिये आवेदनपत्र भी अवर प्रमंडल पदाधिकारी को तत्काल ही दिया गया था पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई ;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अविलम्ब रिलीफ तथा कर्ज देने का विचार करती है ?

श्री अब्दुल मुअहद हम्मद नूर—(१) धनहा नामक कोई बस्ती बेनीपट्टी थाने में नहीं है, पर इसी थाने में बरहा नामक एक बस्ती है जहां २ अप्रील १९६० को आग लगी थी।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) उसी दिन शाम को अग्नि पीड़ित लोगों को निम्नलिखित सहायता वितरण किया गया।

२३६ मन ३२ सेर अन्न, १४ हजार ९५ रुपया सहायता के रूप में और तकावी कर्ज एक हजार अस्सी रुपया दिया गया।

(५) प्रश्न नहीं उठता है।

गांव का कटाव।

११५४। श्री कपिलदेव सिंह—क्या राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिले के बड़हिया थाना के चौकीदारी सर्किल नं० ९ के गांवों का कटाव गंगा नदी से हो रहा है;

(२) अगर खंड (१) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो किस गांव की जमीन तथा कौन से गांव कटने पर हैं और उसके बसाने को सरकार ने क्या व्यवस्था की है?

श्री अब्दुल अहद मुहम्मद नूर—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) किशनपुर और किशनपुर बिन्द टोली के कुछ खेतों का कटाव नदी में हुआ है पर वहां का घर एक भी अभी नहीं कटा है। उपरोक्त गांवों के लोगों को बसाने के लिये प्रबन्ध किया जा रहा है। इस हेतु अंचलाधिकारी को १५ हजार रुपया मुफ्त सहायता द्वारा गृह निर्माण के लिये भेजा जा चुका है। लोगों को बसाने के लिये छप्पनवीघी ग्राम है इसी में जमीन ठीक किया गया है।

*श्री कपिलदेव सिंह—पहले मैं सरकार को सूचना दे देता हूं कि छप्पनवीघी गांव नहीं है बल्कि वह जमीन है। अब मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि जिस जमीन पर सरकार उन लोगों को बसाना चाहती है उस पर सरकार का कब्जा हुआ है या नहीं?

श्री अब्दुल अहद मुहम्मद नूर—ऐक्वायर करने का काम जारी है। सरकार कब्जा करने जा रही है और रुपया का भी प्रबन्ध हो गया है। अभी नदी से एक भी घर नहीं कटा है।

श्री कपिलदेव सिंह—यह गांव गंगा नदी से पांच बांस की दूरी पर है और जब कटना शुरू होगा तो दस मिनट में ही कट जायगा। तो मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि ऐक्वायर करने के संबंध में क्या कार्रवाई हुई है।